Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-N 1746 B-15
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Women Literature)
Paper : SC - 3.1
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- 1) कुल **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. महिला साहित्य के अर्थ एवं स्वरूप को समझाइए। **(6×10=60)**
2. महिला साहित्य के वैश्विक परिदृश्य की विवेचना कीजिए।
3. भारतीय महिला साहित्य परंपरा पर लेख लिखिए।
4. आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य में अभिव्यक्त महिला संवेदना को स्पष्ट कीजिए।
5. मैत्रेयी पुष्पा के कथालोक का विस्तृत परिचय दीजिए।
6. अनामिका की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
7. "लोग कहँ विगदी" काव्य संकलन के आधार पर महिला विमर्श का परिचय दीजिए।
8. "दे हरी भई विदेस" आत्म कथा संकलन की विशेषताएँ बताइए।
9. किसी **चार** पर टिप्पणी लिखिए। **(4×5=20)**

अ) मन्नुभण्डारी
आ) विमल योसत
इ) मृदुला गर्ग
ई) नासिरा शर्मा
उ) प्रभा खेतान
ऊ) ममता कालिया

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-N 1744 B-15
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Language)
Paper : HC - 3.2
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- 1) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं की विशेषताएँ लिखिए। **(6×10=60)**

2. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय दीजिए।

3. पूर्वी हिन्दी और पाश्चीमी हिन्दी बोलियों का परिचय देते हुए उसके अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

4. हिन्दी शब्द रचना पर एक लेख लिखिए।

5. राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

6. देवनागरी लिपि का परिचय देते हुए उसके गुण दोषों की चर्चा कीजिए।

7. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए।

8. आंकडा ससांधन और शब्द ससांधन पर प्रकाश डालिए।

9. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए। **(4×5=20)**

अ) ब्रज भाषा

आ) राजस्थानी

इ) तृतीय प्राकृत काल

ई) विशेषण

उ) हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था

ऊ) हिन्दी वाक्य रचना

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIIIS-N 1745 B-15
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Linguistics)
Paper : HC - 3.3
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- 1) किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. भाषा की परिभाषा देते हुए उसके अभिलक्षण गिनाइए। **(6×10=60)**

2. भाषा संरचना और भाषा प्रकार्थ को चर्चा कीजिए।

3. भाषा विज्ञान का स्वरूप विशद कीजिए।

4. स्वरविज्ञान का स्वरूप का निरूपण करते हुए उसने शाखाओं का परिचय दीजिए।

5. रूपप्रक्रिय के स्वरूप की चर्चा करते हुए उसके प्रमुख शाखाओं का परिचय दीजिए

6. अर्थ को अवधारणा को विस्तृत विशद कीजिए।

7. साहित्य और भाषा के अंतरसम्बन्ध को विशेषता बताइए।

8. अर्थ परिवर्तन की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

9. किन्हीं **चार** पर टिप्पनी लिखिए। **(4×5=20)**

अ) अनेकार्थता

आ) भहन शंरचना और बाह्यसंरचना

इ) स्वमिक परिवर्तन

ई) वाक्य के भेद

उ) विलोमता

ऊ) निकटस्थ अवमद

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIIIS-N 1747 B-15
M.A. IIIrd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Modern Poetry)
Paper : OE - 3.1
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचना:- 1) किन्हीं **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. हिन्दी आचनक काव्य इतिहास का परिचय दीजिए। **(6×10=60)**

2. साकेत को नवम सर्ग की कथा वस्तू अपने शब्दों लिखिए।

3. चिंता सर्ग को विशेषता बताइए।

4. महादेवी वर्मा को काव्य कला का परिचय दीजिए।

5. असाढम वीणा के आढार पर अधेय को काव्य भाषा की चर्चा कीजिए।

6. भोचीराम कविता का महत्व ढर्शाइए।

7. हरिवंशराय बच्चन की काव्य साधना का परिचय दीजिए।

8. आधुनिक कविता के विभिन्न विचारधाराओं पर प्रकाश डालिए।

9. किन्हीं चार अवतरणों को सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

अ) हे जग-जीवन के कर्णधार विचर जन्म मरण के आरचार
शाखत जीवन - नौका विहार !
मैं भूल गढा अस्तित्व ज्ञान जीवन का यह शश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व ढान !

आ) स्वर्ण सुख भी सौरभ में भोर
विश्व को देती है जब बोर
विहंग कुल की कल कठ हिं लोट.
मिला देती भू नम के धोर,
नपाने अलख पलक रल कौन
खोल दैता तब मेरे मौन।

इ) बोली माता तुम्ने रवि को जब लिया निगल
तब नहीं बोध था तुम्हें रहे बालक केवल,
यह वही भाव कर रहाँ तम्हे व्याकुल रह-रह
यह लज्जा की है बात कि मैं रहती सह - सह

ई) बोले रघुमणि-मित्रवर, विजए होगी न समद,
यह नहीं रहा नर-वानर का राक्षस से रण,
उत्तरों पर महाशक्ति रावण से आमन्त्रण,
अन्याय जिधर है उधर शक्ति कहते छल छल

उ) असी किहीही-तरू वज्रकीर्ति ने
साथ जीवन इसे गदाः
हठ साधना यही भी उस सायक को
वीणा पूरी हुई, साथ साधना, शाप हो जीवन लीला।

ऊ) भविष्य गढ़ेन में । चुप और चीख
अपनी - अपनी जगह एक ही किस्म से
अपना - अपना फर्ज अदा करते हैं।